जबलपुर | गुरुवार | 1 जनवरी 2026 | वर्ष 76 | अंक 328 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी १९३४ से

अभिनन्दन 2026

दूषित पानी से मृतक की संख्या 12

- 300 से ज्यादा बीमार
- इलाके में पसरा सन्नाटा

नव भारत न्यूज

इंदौर, 31 दिसंबर. देश के सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाले इंदौर में बुधवार को हालात बेहद चिंताजनक नजर आए। भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं 300 से ज्यादा लोग अलग अलग अस्पतालों में भर्ती हुए हैं. हालात इतने गंभीर हो गए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खुद वर्मा नर्सिंग होम पहुंचकर बीमारों से मुलाकात करनी पड़ी.

बुधवार को भागीरथपुरा का माहौल अजीब रहा. गलियों में लोगों की आवाजाही तो दिखी, लेकिन पूरे इलाके में एक सन्नाटे जैसी खामोशी पसरी रही. लोगों का आक्रोश खुलकर सामने नहीं आ पा रहा है, लेकिन चेहरे, आंखें और आपसी बातचीत सिस्टम के प्रति नाराजगी साफ बयान कर रही थी.

मृतक अव्यान साहू

मामले की गंभीरता को देखते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सुबह से ही भागीरथपुरा स्थित संजीवनी क्लिनिक के पास डटे रहे. वे लगातार हालात पर नजर रखते रहे और अधिकारियों से फीडबैक लेते नजर आए. मौके पर महापौर पुष्पमित्र भार्गव, जलकार्य प्रभारी व एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा, अन्य एमआईसी सदस्य, कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त सहित प्रशासन और निगम का पूरा अमला मौजूद रहा. अधिकारी एक के बाद एक क्षेत्र का दौरा करते रहे, लेकिन लोगों के मन में बैठा डर और गुस्सा कम होता नजर नहीं आया. बुधवार को हालात और बिगड़ गए, जब पांच माह के अव्यान साहू सहित तीन अन्य लोगों की मौत की सूचना मीडिया को मीली. अव्यान साहू की मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया. उसकी मां का कहना है कि अव्यान दस साल की मन्नत के बाद हुआ था.

(शेष पेज 7 पर)

बीमारों से मिलने पहुंचे मुख्यमंत्री, जाना हाल, दिए निर्देश

भागीरथपुरा में दूषित पानी से बीमार हुए लोगों का हाल जानने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम को वर्मा नर्सिंग होम पहुंचे. यहां उन्होंने भर्ती 12 मरीजों से मुलाकात कर उनकी तबीयत और इलाज की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने मरीजों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया और जल्द स्वस्थ होने की कामना की. मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से उपचार की स्थिति पर चर्चा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज मिले. किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन तुरंत उपलब्ध कराए जाएं, ताकि मरीजों के इलाज में कोई कमी न रहे.

हाई कोर्ट सख्त, 2 दिन में मांगी रिपोर्ट

भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने के मामले ने हाईकोर्ट का ध्यान खींचा है. जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने पूरे घटनाक्रम को गंभीर मानते हुए प्रदेश सरकार से दो जनवरी तक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए. साथ ही कोर्ट ने पीड़ितों के इलाज को लेकर भी अहम आदेश जारी किए हैं. भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की सप्लाई के चलते मौतों और बीमारी के मामलों को लेकर हाईकोर्ट में दो जनहित याचिकाएं दाखिल की गई थीं.

आप सभी को नए वर्ष की शुभकामनाएँ!

ईडी और स्वास्थ्य मंत्रालय की सख्ती

लंदन में 150 करोड़ की संपत्ति की जब्त

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (वार्ता) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के इंदौर उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने ब्रिटेन के लंदन में बकिंघम पैलेस के समीप एक प्रमुख क्षेत्र में स्थित 150 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त किया है. ईडी के सूत्रों के मुताबिक यह अचल संपत्ति नितिन शंभू कुमार कसलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व में है. प्राथमिकी में एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नितिन शंभू कुमार कसलीवाल पर भारतीय बैंकों के संघ से लगभग 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है.

निमेसुलाइड दवा पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (वार्ता) स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है. मंत्रालय ने एक वर्ष पहले ही मवेशियों के लिए भी इसे प्रतिबंधित कर दिया था. स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भारत में इस घटक (साल्ट) का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है. इसके उच्च खुराक के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती है.

डीआरडीओ ने दागीं दो 'प्रलय' मिसाइलें

- दुनिया ने देखी भारत की ताकत
- साल के आखिरी दिन किया धमाका

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (वार्ता) रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए एक ही लांचर से एक के बाद एक दो स्वदेशी प्रलय मिसाइलों का एक साथ सफल प्रक्षेपण किया. रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह से सैल्वो प्रक्षेपण सुबह ओड़िशा तट के पास किया गया. सैल्वो प्रक्षेपण में एक से ज्यादा मिसाइलें एक साथ दागी जाती हैं.

दोनों मिसाइलों ने निर्धारित मार्ग का अनुसरण किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसकी पुष्टि चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज के ट्रैकिंग सेंसरों से हुई. टर्मिनल घटनाओं की पुष्टि प्रभाव बिंदुओं के निकट तैनात जहाज पर स्थापित टेलीमेट्री प्रणालियों द्वारा की गई. (शेष पेज 7 पर)

दिग्विजय की टिप्पणी से कांग्रेस में बहस तेज

आशीष कुर्ल

भोपाल, 31 दिसंबर. वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठनात्मक ढांचे को लेकर दिए गए बयान ने कांग्रेस के भीतर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है.

सिंह ने जहां आरएसएस-भाजपा की संगठनात्मक क्षमता की सराहना की, वहीं उनकी विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना विरोध भी स्पष्ट रूप से दोहराया.

दिग्विजय सिंह की यह टिप्पणी उस तस्वीर के संदर्भ में आई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के पास जमीन पर बैठे दिखाई दे रहे हैं. इस तस्वीर का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि आरएसएस-भाजपा का संगठनात्मक ढांचा जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को तैयार कर उन्हें सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाने में सक्षम है.

(शेष पेज 7 पर)